



UPSC PATHSHALA

# सार

सामयिकी मासिक प्रकाशन

---

दिसंबर 2022

# TARGET UPSC CSE

---

## सामान्य अध्ययन- I

1. चक्रवात मंडौस.....1
2. विश्व बैंक का टूलकिट - लिंग उत्तरदायी शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक स्थान कार्यक्रम.....2
3. प्रसाद योजना.....2

## सामान्य अध्ययन- II

1. व्यक्तित्व अधिकार.....3
2. जी-20 अध्यक्षता.....4
3. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग.....5

## सामान्य अध्ययन- III

1. रैनसमवेयर हमला.....43
2. उष्मीय तरंगें.....44
3. वैश्विक छंटनी और भारत पर इसका प्रभाव.....45

## प्रारंभिक परीक्षा तथ्य

1. विमानन सुरक्षा में भारत की अब तक की सर्वोच्च रैंकिंग.....71
2. मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर).....71
3. मंथन प्लेटफार्म.....72

## चक्रवात मंडौस

**विषय-** भूकंप जैसी महत्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएं

**स्रोत-** इंडियन एक्सप्रेस

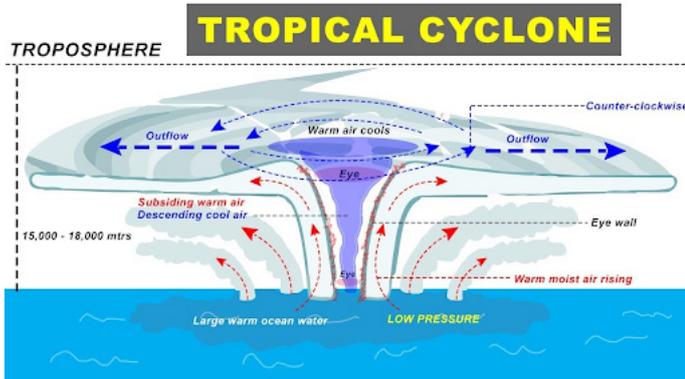
### खबरों में क्यों

तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्रों में लैंडफॉल हो रहा है क्योंकि चक्रवात मंडौस की वजह से बारिश हो रही है।



### चक्रवात क्या है?

- चक्रवात एक कम दबाव वाली प्रणाली है जो गर्म पानी के ऊपर बनती है।
- यह कम दबाव वाले क्षेत्र के चारों ओर घूमने वाली उच्च गति वाली हवाओं की एक प्रणाली है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की एक विशिष्ट विशेषता आंख, साफ आसमान का एक केंद्रीय क्षेत्र, गर्म तापमान और कम वायुमंडलीय दबाव है।
- हवाएँ उत्तरी गोलार्ध में वामावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त चलती हैं।



### चक्रवातों का प्रभाव क्या है?

- उष्णकटिबंधीय चक्रवात अपने विकास के प्रारंभिक चरणों में भी जीवन और संपत्ति के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक हैं।
- उनमें कई अलग-अलग खतरे शामिल हैं जो व्यक्तिगत रूप से जीवन और संपत्ति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं, जैसे तूफान की वृद्धि, बाढ़, अत्यधिक हवाएं, बवंडर और प्रकाश व्यवस्था।
- संयुक्त रूप से, ये खतरे एक दूसरे के साथ परस्पर क्रिया करते हैं और जीवन की हानि और भौतिक क्षति की संभावना को काफी हद तक बढ़ाते हैं।

### भारत के किस महासागर में अधिक तूफान आते हैं?

- अक्टूबर-नवंबर और मई-जून के महीनों में बंगाल की खाड़ी और अरब सागर सहित उत्तर हिंद महासागर में एक वर्ष में औसतन पांच तूफान आते हैं।
- आईएमडी के मुताबिक, इन पांच तूफानों में चार बंगाल की खाड़ी में और एक अरब सागर में है।

### बंगाल की खाड़ी/भारत के पूर्वी तट पर अधिक चक्रवात क्यों आते हैं?

- चक्रवातों के निर्माण के लिए जिम्मेदार सबसे महत्वपूर्ण कारक समुद्र की सतह का उच्च तापमान और आर्द्रता हैं।
- **पानी का तापमान:** बंगाल की खाड़ी में औसत तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहता है। यह पानी के नीचे की ज्वालामुखी गतिविधियों जैसी विभिन्न

विशेषताओं के कारण हो सकता है, जो लगभग 24-27 डिग्री सेल्सियस के निरंतर और वांछनीय पानी के तापमान को बनाए रखता है।

- **भौगोलिक विशेषता:** तीन दिशाओं में जमीन से घिरा होने के कारण, समग्र सतह का तापमान अरब सागर की तुलना में बहुत अधिक है, जिसके पश्चिम और दक्षिण में पानी का फैलाव बहुत लंबा है।
- **उष्णकटिबंधीय अवसाद** भारत-गंगा के मैदानों में एक प्रमुख घटना है और यह प्राकृतिक घटना बंगाल की खाड़ी में चक्रवात के गठन के लिए अत्यधिक जिम्मेदार है। गर्म हवा और क्षेत्र में नदियों से खाड़ी में ताजा पानी डालने से समुद्र के सतह के तापमान में वृद्धि होती है जिसके परिणामस्वरूप उष्णकटिबंधीय अवसाद होता है।
- **ITCZ की घटना:** भारतीय उपमहाद्वीप से मानसून की वापसी के दौरान बंगाल की खाड़ी के ऊपर अंतर-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र बनता है। जो हवाओं के अभिसरण के लिए एक आदर्श स्थान बन जाता है और इस प्रकार चक्रवाती क्षेत्र बनाता है।
- बंगाल की खाड़ी के बेसिन में **भूभाग की कमी** का मतलब है कि इस क्षेत्र में आने वाले चक्रवात कमजोर नहीं होते हैं और आसानी से पूर्वी तटरेखा की ओर बढ़ जाते हैं।

### चक्रवात मंडौस के बारे में:

- नाम – चक्रवात मंडौस – संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा दिया गया है।
- इसका अर्थ अरबी में "खजाना बॉक्स" होता है और यह अक्सर धीमी गति से चलने वाला चक्रवात होता है जो बहुत अधिक नमी को अपने अंदर समा लेता है और भारी वर्षा का कारण बनता है।

### चक्रवातों का नाम कैसे रखा जाता है?

- WMO नामों की घूर्णन सूची रखता है जो प्रत्येक उष्णकटिबंधीय चक्रवात बेसिन के लिए उपयुक्त हैं।
- दुनिया भर में हर महासागर बेसिन में बनने वाले चक्रवातों का नाम किसके द्वारा रखा गया है:
- क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्र (RSMCs)
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात चेतावनी केंद्र (TCWCs)।
- दुनिया में छह RSMC हैं, जिनमें भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और पांच TCWCs शामिल हैं।
- IMD, एक RSMC होने के नाते, एक मानक प्रक्रिया का पालन करने के बाद, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर सहित उत्तर हिंद महासागर में विकसित होने वाले चक्रवातों का नामकरण करता है।
- आईएमडी को चक्रवात और तूफान के विकास पर क्षेत्र के 12 अन्य देशों को सलाह जारी करने का भी अधिकार है।
- **अटलांटिक और दक्षिणी गोलार्ध (हिंद महासागर और दक्षिण प्रशांत):** उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को वर्णानुक्रम में नाम मिलते हैं, और महिलाओं और पुरुषों के नाम वैकल्पिक होते हैं।
- **उत्तरी हिंद महासागर** ने 2000 में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के नामकरण के लिए एक नई प्रणाली का उपयोग करना शुरू किया; नाम वर्णानुक्रम में देश-वार सूचीबद्ध हैं और तटस्थ लिंग-वार हैं।

### चक्रवात का नामकरण करने के क्या लाभ हैं?

- प्रत्येक चक्रवात की पहचान होना वैज्ञानिक समुदाय, आपदा प्रबंधकों, मीडिया और आम जनता को मदद करता है।
- इसके विकास के बारे में जागरूकता पैदा करें।
- किसी क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के एक साथ आने की स्थिति में भ्रम से बचें।
- अधिक व्यापक दर्शकों के लिए तेजी से और प्रभावी ढंग से चेतावनियों का प्रसार करें।

### 2022 में भारतीय तट से टकराने वाले चक्रवात:

- असनी - पूर्वी तट
- सितरंग - पूर्वी तट

### मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

अरब सागर तट की तुलना में बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में चक्रवातों की अधिक संख्या के प्रसार के कारणों पर चर्चा करें। (10 अंक)

### संदर्भित करने के लिए संबंधित स्थिर विषय:

चक्रवात का वर्गीकरण, आपदा प्रबंधन

# विश्व बैंक का टूलकिट - लिंग उत्तरदायी शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक स्थान कार्यक्रम

**विषय-** शहरी गतिशीलता और भारतीय महिलाएं

**स्रोत-** द इंडियन एक्सप्रेस

## खबरों में क्यों

विश्व बैंक ने भारतीय महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने पर “भारत में लिंग उत्तरदायी शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक स्थानों को सक्षम करने पर टूलकिट” लॉन्च किया है।



## विश्व बैंक की रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं?

- सार्वजनिक परिवहन के सबसे बड़े उपयोगकर्ता:**
  - महिलाएं भारतीय शहरों में सार्वजनिक परिवहन के सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से हैं।
  - बसें और पैदल यात्रा महिलाओं द्वारा सार्वजनिक परिवहन के सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले साधनों में से हैं।
  - महिलाएं पुरुषों की तुलना में सार्वजनिक परिवहन पर अधिक निर्भर हैं, खासकर जब वे निम्न आय वर्ग से हों।
- गतिशीलता पैटर्न:**
  - सुरक्षा की कमी के कारण "ऑफ-पीक ऑवर्स" के दौरान, महिलाओं के पास अद्वितीय गतिशीलता पैटर्न होते हैं, अक्सर छोटी दूरी की यात्रा करते हैं, परिवहन के कई साधनों का उपयोग करते हैं, और आश्रितों के साथ यात्रा करते हैं।
- शहरी गतिशीलता प्रणालियों का डिजाइन:**
  - शहरी गतिशीलता प्रणालियों का डिजाइन महिलाओं और अन्य लिंगों की अलग-अलग जरूरतों पर विचार नहीं करता है।
- सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन का अभाव:**
  - यौन उत्पीड़न का खतरा या अनुभव महिलाओं को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने और लंबी दूरी तय करने से रोकता है।
- गतिशीलता की बाधाएं महिलाओं के विकल्पों को प्रतिबंधित करती हैं:**
  - भारत की महिला श्रम बल भागीदारी दर (FLFPR) पिछले पांच दशकों में लगातार गिरती गई, 1987-88 में 47.1% से 2019-20 में 30% हो गई, जिससे यह विश्व स्तर पर सबसे कम में से एक बन गई।
  - सुरक्षित, सस्ते और विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन की कमी का महिलाओं की शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक पहुँचने की क्षमता पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
- लिंग आधारित सामाजिक मानदंड:**
  - गहरी जड़ें जमाए हुए लिंग आधारित सामाजिक मानदंड सक्रिय रूप से महिलाओं की उनके घरों के बाहर आवाजाही को प्रतिबंधित करते हैं।

## विश्व बैंक के टूलकिट का उद्देश्य क्या है:

- यह भारतीय शहरों में सार्वजनिक परिवहन को महिलाओं की यात्रा आवश्यकताओं के लिए अधिक समावेशी बनाने के तरीके सुझाता है।
- यह परिवहन नीतियों और बुनियादी ढांचे में एक लिंग लेस को एकीकृत करने के महत्व पर जोर देती है।

## विश्व बैंक के टूलकिट की क्या जरूरत है?

- नगरों का महत्व:**
  - भारतीय शहर 2030 तक भारत की जीडीपी में 70% तक योगदान कर सकते हैं।
  - शहर विकास, रोजगार सृजन और नवाचारों के इंजन हैं।
- अपवर्जन:**

- विश्व स्तर पर, शहरी नियोजन और डिजाइन में विविध आबादी की जरूरतों के लिए विचार की कमी ने सामाजिक आर्थिक अवसरों तक महिलाओं की पहुंच को बाधित किया है।
- ज्ञान का अंतर:**
    - इसका उद्देश्य भारत में लिंग-उत्तरदायी शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक स्थान के लिए नीति निर्माण और कार्यक्रम कार्यान्वयन के बीच ज्ञान अंतराल को पाटना है।
  - समान विकास:**
    - भारतीय शहरों को लैंगिक-उत्तरदायी शहरी गतिशीलता और सार्वजनिक स्थानों की आवश्यकता है ताकि शहर के नेतृत्व वाले आर्थिक विकास के लाभों को अधिक समान रूप से वितरित किया जा सके।

## विश्व बैंक टूलकिट क्या सुझाव देता है?

विश्व बैंक ने महिलाओं के लिए शहरी परिवहन में मौजूदा मुद्दों को हल करने में मदद के लिए चार-स्तंभ वाले दृष्टिकोण का सुझाव दिया है।

- जमीनी स्थिति का आकलन करें:**
  - गतिशीलता पैटर्न, सुरक्षा चिंताओं, वर्तमान नीतियों में अंतराल, कानूनी ढांचे में अंतर पर लिंग लेस के साथ ऑन-ग्राउंड स्थिति को समझने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- योजना और नीतियों को मजबूत करें**
  - नीतियों और विकास योजनाओं में महिलाओं की चिंताओं को प्रतिबिंबित करना चाहिए।
  - चिंताओं को दूर करने के लिए निर्णय लेने के प्रभारी प्रमुख संस्थानों में अधिक महिलाओं को एकीकृत करें।
- क्षमता का निर्माण करें और जागरूकता बढ़ाएं**
  - यह अनिवार्य कार्यक्रमों और सामुदायिक कार्रवाई के माध्यम से सेवा प्रदाताओं के बीच लैंगिक संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने पर जोर देता है।
- बुनियादी ढांचे और सेवाओं में सुधार**
  - महिलाओं के अनुकूल डिजाइन पर ध्यान देने के साथ बेहतर बुनियादी ढांचे और सेवाओं में निवेश किया जाना है।

## मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

भारत में शहरी गतिशीलता की समावेशिता का आलोचनात्मक विश्लेषण करें और लिंग-उत्तरदायी शहरी गतिशीलता के लिए कुछ उपायों का सुझाव दें?

## संदर्भित करने के लिए संबंधित स्थिर विषय:

शहरीकरण; शहरी गतिशीलता

## प्रसाद योजना

**विषय-** भारतीय विरासत स्थल; योजनाओं

**स्रोत-** द हिंदू

## खबरों में क्यों

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आंध्र प्रदेश के तीर्थ शहर श्रीशैलम में पर्यटन सुविधा केंद्र में 'प्रसाद' परियोजना का उद्घाटन किया।



## प्रसाद परियोजना क्या है?

- 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन' (प्रसाद) भारत सरकार द्वारा पूर्ण वित्तीय सहायता के साथ एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।
- यह योजना पर्यटन मंत्रालय द्वारा वर्ष 2014-15 में शुरू की गई थी।
- योजना का नाम अक्टूबर 2017 में प्रसाद से बदलकर "नेशनल मिशन ऑन पिलग्रिमेज रिजुवनेशन एंड स्पिरिचुअल हेरिटेज ऑगमेंटेशन ड्राइव (प्रसाद)" कर दिया गया।

## उद्देश्य:

- इस योजना का उद्देश्य साइटों के विश्व स्तर के बुनियादी ढाँचे के विकास की परिकल्पना के लिए बुनियादी ढाँचे का विकास करना है।
- इसमें पर्यटक सुविधा केंद्रों, सड़क के किनारे की सुविधाओं, पार्किंग, सार्वजनिक सुविधा, रोशनी और ध्वनि और प्रकाश शो सहित पर्यटक सुविधाओं पर विशेष जोर दिया गया है।

## उद्देश्य:

- महत्वपूर्ण राष्ट्रीय/वैश्विक तीर्थ स्थलों का कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन;
- चिन्हित तीर्थ स्थलों और विरासत शहरों के पर्यटन आकर्षण को बढ़ाना।
- आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के प्रत्यक्ष और गुणक प्रभावों के लिए एक प्रमुख इंजन के रूप में तीर्थ यात्रा और विरासत पर्यटन की स्थिति।
- 'प्रो-पुअर' पर्यटन अवधारणा और 'जिम्मेदार पर्यटन' पहल के माध्यम से समुदाय आधारित विकास का पालन करें।
- चिन्हित तीर्थ स्थलों और संपूर्ण विरासत शहरों में अवसंरचनात्मक अंतराल को पाटने के लिए तंत्र को मजबूत करना।
- आय के स्रोतों में वृद्धि, जीवन स्तर में सुधार और क्षेत्र के समग्र विकास के संदर्भ में स्थानीय समुदायों के लिए पर्यटन के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना।

## कार्यान्वयन एजेंसी:

- इस योजना के तहत चिन्हित परियोजनाओं को संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार द्वारा चिन्हित एजेंसियों के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।

## प्रसाद योजनाओं का क्या महत्व है?

- भारत समृद्ध और विविध प्राकृतिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संसाधनों से समृद्ध है।
- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्थानों से लाखों पर्यटक भारत की आध्यात्मिक शक्ति और भारतीय विरासत का अनुभव करने के लिए आते हैं।
- भारत में घरेलू पर्यटन का विकास काफी हद तक तीर्थ और विरासत पर्यटन पर निर्भर करता है।
- यह एक समावेशी, एकीकृत और टिकाऊ तरीके से महत्वपूर्ण तीर्थ और विरासत स्थलों/शहरों में बुनियादी ढाँचे के विकास के अवसर प्रदान करता है।
- यह विभिन्न पहलुओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है जैसे कि आजीविका, कौशल, स्वच्छता, सुरक्षा, पहुंच और सेवा वितरण पर ध्यान केंद्रित करता है।
- स्थानीय समुदायों की भागीदारी रोजगार सृजन और उनके जीवन स्तर की संभावनाओं के माध्यम से स्थानीय समुदायों की भागीदारी में सुधार करती है।
- यह विरासत स्थलों के संरक्षण के क्षेत्र में लोगों के बीच जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देता है।
- इसने विरासत शहर, स्थानीय कला, संस्कृति, हस्तशिल्प, व्यंजन आदि का विकास किया, जो चिन्हित स्थानों में आजीविका उत्पन्न करते हैं।

## मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

प्रसाद परियोजना क्या है? भारत में धार्मिक पर्यटन की आर्थिक क्षमता की चर्चा कीजिए।

## संदर्भित करने के लिए संबंधित स्थिर विषय:

प्रसाद योजना; महत्वपूर्ण विरासत स्थल

## व्यक्तित्व अधिकार

### विषय- राजनीति और शासन

### स्रोत- द हिंदू

### खबर क्या है?

दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन के नाम, छवि और आवाज के अवैध उपयोग को रोकने के लिए एक अंतरिम आदेश पारित किया।

### व्यक्तित्व अधिकार क्या हैं?

- व्यक्तित्व अधिकार एक व्यक्ति के निजता या संपत्ति के अधिकार के तहत उसके व्यक्तित्व की रक्षा करने के अधिकार को संदर्भित करता है।
- ये अधिकार मशहूर हस्तियों के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उनकी बिक्री को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कंपनियों द्वारा विभिन्न विज्ञापनों में उनके नाम, फोटो या यहां तक कि आवाज का आसानी से दुरुपयोग किया जा सकता है।
- अद्वितीय व्यक्तिगत विशेषताओं की एक बड़ी सूची एक सेलिब्रिटी के निर्माण में योगदान करती है।
- इन सभी विशेषताओं को संरक्षित करने की आवश्यकता है, जैसे नाम, उपनाम, मंच का नाम, चित्र, समानता, छवि और कोई पहचान योग्य व्यक्तिगत संपत्ति, जैसे कि एक विशिष्ट रेस कार।

### क्या व्यक्तित्व अधिकार प्रचार अधिकार से अलग हैं?

- व्यक्तित्व अधिकार प्रचार अधिकार से अलग हैं।
- व्यक्तित्व अधिकारों में दो प्रकार के अधिकार शामिल हैं:
  - सबसे पहले, प्रचार का अधिकार, या किसी की छवि और समानता को अनुमति या संविदात्मक मुआवजे के बिना व्यावसायिक रूप से शोषण से बचाने का अधिकार, जो ट्रेडमार्क के उपयोग के समान (लेकिन समान नहीं) है;
  - दूसरे, निजता का अधिकार या बिना अनुमति के किसी के व्यक्तित्व का सार्वजनिक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करने का अधिकार।
- प्रचार अधिकार "गुजरने का अपकृत्य (tort of passing off)" के दायरे में आते हैं।
- पासिंग ऑफ तब होता है जब कोई जानबूझकर या अनजाने में अपने सामान या सेवाओं को किसी अन्य पार्टी से संबंधित के रूप में पास करता है।
- इस प्रकार की गलतबयानी किसी व्यक्ति या व्यवसाय की सद्भावना को नुकसान पहुंचाती है, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय या प्रतिष्ठित क्षति होती है।
- प्रचार अधिकार ट्रेड मार्क अधिनियम 1999 और कॉपीराइट अधिनियम 1957 जैसी विधियों द्वारा शासित होते हैं।

### क्या इंटरनेट पर नामों का उपयोग व्यक्तित्व अधिकारों को प्रभावित करता है?

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने अरुण जेटली बनाम नेटवर्क सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड या अन्य के मामले में। ने कहा कि नाम अपनी विशिष्ट प्रकृति/विशिष्ट चरित्र के कारण प्राप्त लोकप्रियता के कारण व्यापार चिह्न कानून के तहत एक प्रसिद्ध व्यक्तिगत नाम/चिह्न बन गया है।
- किसी के नाम के दुरुपयोग के लिए उन पर मुकदमा करने के व्यक्तिगत अधिकारों के अलावा अन्य लोगों को अनुचित तरीके से नाम का उपयोग करने से रोका जा सकता है।

### उपभोक्ता अधिकारों के बारे में क्या?

- मशहूर हस्तियों को उनके नाम और व्यक्तित्व के व्यावसायिक दुरुपयोग से बचाया जाता है।
- ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं जहां ऐसे व्यक्तित्वों द्वारा झूठे विज्ञापनों या समर्थन के कारण उपभोक्ताओं को गुमराह किया जाता है।
- उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 2022 में विज्ञापन देने वाले पर जुर्माना लगाकर भ्रामक विज्ञापनों और उपभोक्ता उत्पादों के समर्थन पर रोक लगाने के लिए एक अधिसूचना जारी की है।

## कानूनी या संवैधानिक मान्यता क्या हैं?

### न्यायमूर्ति के.एस. पुट्टास्वामी (सेवानिवृत्त) बनाम भारत संघ 20178 निर्णय:

- व्यक्तित्व अधिकारों को संवैधानिक अधिकारों की स्थिति में ऊपर उठाया गया था।
- इसने निजता के अधिकार को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदान किए गए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार से प्राप्त मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी।
- अदालत ने फैसला सुनाया कि किसी व्यक्ति को उसकी सहमति के बिना व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उसकी छवि, नाम और उसके व्यक्तिगत जीवन और पहचान के अन्य पहलुओं का उपयोग करने से रोकने की अनुमति दी जा सकती है।

### शिवाजी राव गायकवाड़ (उर्फ रजनीकांत) बनाम वर्षा प्रोडक्शन:

- हालांकि भारत में किसी भी कानून के तहत व्यक्तित्व अधिकार की कोई परिभाषा नहीं है, भारत में न्यायालयों ने विभिन्न निर्णयों में व्यक्तित्व अधिकार को मान्यता दी है।

### संदर्भित करने के लिए संबंधित स्थिर विषय:

व्यक्तित्व अधिकार; प्रचार अधिकार; उपभोक्ता अधिकार;

### मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

व्यक्तिगत और प्रचार अधिकार क्या हैं? निजता के अधिकार की तर्ज पर उन अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता पर चर्चा करें?

## जी-20 अध्यक्षता

**विषय-** द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह

**स्रोत-** पीआईबी

### खबर क्या है?

क्षेत्रीय और वैश्विक समूह

खबरों में क्यों: भारत 1 दिसंबर, 2022 से अपनी G20 अध्यक्षता शुरू कर रहा है।



### के बारे में:

- भारत 1 दिसंबर, 2022 से 30 नवंबर, 2023 तक G20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा।
- यह इस अवधि के दौरान देश भर में फोरम की 200 बैठकों की मेजबानी करेगा। हर राज्य की राजधानी में कम से कम एक बैठक होगी।

### भारत की G20 अध्यक्षता का विषय:

- "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य"

### प्रतीक चिन्ह:

- पृथ्वी कमल से मिलता जुलता है।
- लोगो में एक कमल और 'वसुधैव कुटुम्बकम्- एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का संदेश है।
- लोगो वसुधैव कुटुम्बकम् (पूरी पृथ्वी एक परिवार है) के हमारे विचार को दर्शाता है।
- कमल का फूल हमारी पुराणिक विरासत, हमारी आस्था (विश्वास) और

बोधिकता (बौद्धिकता) का प्रतीक है।

### भारत की अध्यक्षता के दौरान अतिथि देश:

- इस कार्यक्रम में बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, ओमान, सिंगापुर, स्पेन और संयुक्त अरब अमीरात अतिथि देश होंगे।

### जी20 लोगो ने 100 स्मारकों को रोशन किया:

- देश भर में 100 स्मारकों को G20 लोगो और उसके रंगों से सात दिनों तक रोशन किया जाएगा क्योंकि भारत समूह की अध्यक्षता करेगा।
- G20 की तिकड़ी
- भारत की अध्यक्षता के दौरान, भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील तिकड़ी का निर्माण करेंगे।
- यह पहली बार है जब तिकड़ी में तीन विकासशील देश और उभरती अर्थव्यवस्थाएं शामिल होंगी।
- ब्लॉक के पास स्थायी सचिवालय नहीं है और प्रेसीडेंसी को टूट्टिका - पिछले, वर्तमान और आने वाले राष्ट्रपति द्वारा समर्थित किया जाता है।

### भारत की G20 प्राथमिकताएं क्या होंगी?

- समावेशी, न्यायसंगत और सतत विकास
- LiFE (पर्यावरण के लिए जीवन शैली)
- महिला सशक्तिकरण
- डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर
- संस्कृति और पर्यटन
- जलवायु वित्तपोषण
- परिपत्र अर्थव्यवस्था
- वैश्विक खाद्य सुरक्षा
- ऊर्जा सुरक्षा

### G20 क्या है?

- G20 (या ग्रुप ऑफ ट्वेंटी) 19 देशों और यूरोपीय संघ (EU) की सरकारों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है।
- G20 का गठन 1999 में 1990 के दशक के उत्तरार्ध के वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में किया गया था, जिसने विशेष रूप से पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया को प्रभावित किया था।

### G20 की पूर्ण सदस्यता:

- अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ।

### अध्यक्षता:

- समूह के पास अपना कोई स्थायी कर्मचारी नहीं है, इसलिए हर साल दिसंबर में एक घूर्णन क्षेत्र से एक G20 देश राष्ट्रपति पद ग्रहण करता है।

### अधिदेश:

- G20 का कोई स्थायी सचिवालय नहीं है। एजेडे और कार्य का समन्वय G20 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा किया जाता है, जिन्हें 'शेरपा' के रूप में जाना जाता है, जो केंद्रीय बैंकों के वित्त मंत्रियों और गवर्नरों के साथ मिलकर काम करते हैं।
- समूह का प्राथमिक जनादेश अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए है, जिसमें दुनिया भर में भविष्य के वित्तीय संकटों को रोकने पर विशेष जोर दिया गया है।
- यह वैश्विक आर्थिक एजेडे को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

### भारत के लिए क्या संभावनाएं हैं?

- सामान्य जमीन निर्धारित करें:** वैश्विक महत्व की समस्याओं का समाधान करके भारत अपने G20 एजेडे को स्थापित करने के लिए एक साझा आधार तैयार कर सकता है।
- आर्थिक सुधार:** एक तेज वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए एक रोड मैप बनाना, आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन के लिए तंत्र पर ध्यान केंद्रित करना और हरित और डिजिटल आर्थिक परिवर्तन के प्रभाव पर जोर देना।
- क्षेत्रीय और राष्ट्रीय चुनौतियों के लिए अधिवक्ता:** इसे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चुनौतियों जैसे आतंकवाद, COVID-19 टीकाकरण, व्यापार और निवेश,

बेरोजगारी, आर्थिक सुधार और नैदानिक और चिकित्सीय उत्पादों के लिए पेटेंट छूट के लिए अपने स्वयं के लक्ष्यों की वकालत करनी चाहिए।

- **कई जी20 देशों के साथ संबंध मजबूत करें:** भारत मुक्त व्यापार समझौतों को लागू करने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम और कनाडा जैसे कई जी20 देशों के साथ संबंधों को मजबूत कर सकता है।
- **उभरते और सबसे कम विकसित राष्ट्र:** शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं वाले उभरते और सबसे कम विकसित देशों को समान स्थान देना।
- **G20 में समान प्रतिनिधित्व:** भारत को अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के देशों को आमंत्रित करना चाहिए और उनके साथ काम करना चाहिए।

**G20 अध्यक्षता के रूप में भारत के लिए क्या चुनौतियां हैं?**

**G20 विश्वसनीयता:**

- आंतरिक दरार के कारण G20 की विश्वसनीयता को चोट पहुंची है, इसे अभिनव समाधानों और पुलों के निर्माण के साथ हल करना होगा।
- **एजेंडा:** भारत को एक ऐसे एजेंडे पर सामने आना होगा जिसमें सभी सदस्यों की एकमत हो। भारत को समावेशिता और एकता पर जोर देना होगा।
- **वैश्विक परिस्थितियाँ:** जब वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी में है और दुनिया भर में वित्तीय अस्थिरता है, तब भारत राष्ट्रपति का पद संभाल रहा है। इसे IMF आदि जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से निपटाया जाना है।
- **एससीओ और क्वाड:** एससीओ और क्वाड के सदस्य होने के नाते, जो भू-राजनीतिक स्पेक्ट्रम के विपरीत छोर पर हैं। भारत को उन मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता है जो वैश्विक व्यवस्था में बढ़ती खाई को पाटने में सहायता करते हैं।
- **अन्य चुनौतियाँ:** इसमें वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय करना और रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक स्पष्ट G20 नीति शामिल है।

**संदर्भित करने के लिए संबंधित स्थिर विषय:**

G-20

**मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:**

G20 प्रेसीडेंसी के रूप में वैश्विक एजेंडा स्थापित करने में भारत केंद्र में रहेगा। चर्चा करें।

## राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग

**विषय-** संवैधानिक निकाय

**स्रोत-** द हिंदू

**खबर क्या है?**

श्री हंसराज गंगाराम अहीर ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया।



**राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के बारे में**

- भारत के पिछड़े वर्गों के लिए राष्ट्रीय आयोग भारतीय संविधान के अनुच्छेद 338बी के तहत एक संवैधानिक निकाय है।
- इसे सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के संबंध में शिकायतों और कल्याणकारी उपायों की जांच करने का अधिकार है।

**एनसीबीसी की पृष्ठभूमि क्या है?**

- 1950 और 1970 के दशक में, दो पिछड़ा वर्ग आयोग स्थापित किए गए, एक काका कालेलकर के अधीन और दूसरा बी.पी. मंडल के अधीन।
- काका कालेलकर आयोग को प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग के नाम से भी जाना जाता है।

**1992 का इंद्रा साहनी मामला:**

- सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को लाभ और सुरक्षा के उद्देश्य से विभिन्न पिछड़े वर्गों के मनोरंजन, जांच और समावेशन और बहिष्करण की सिफारिश करने के लिए एक स्थायी निकाय बनाने का निर्देश दिया था।

**राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम, 1993:**

- इसने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एनसीबीसी की स्थापना की।

**123वां संविधान संशोधन विधेयक:**

- इसे 2017 में संसद में पेश किया गया था और एनसीबीसी को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया था।

**एनबीएफसी के संबंध में संवैधानिक प्रावधान क्या हैं?**

**संविधान का अनुच्छेद 340:**

- सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान करना, उनके पिछड़ेपन की स्थितियों को समझना और कठिनाइयों को दूर करने के लिए सिफारिशें करना।

**102वां संविधान संशोधन अधिनियम 2018:**

- इसने नए अनुच्छेद 338 बी और 342 ए को जोड़ा।

**अनुच्छेद 338 बी:**

- यह एनसीबीसी को सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के संबंध में शिकायतों और कल्याणकारी उपायों की जांच करने का अधिकार देता है।

**अनुच्छेद 342 ए:**

- यह राष्ट्रपति को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को निर्दिष्ट / आवंटित करने का अधिकार देता है।
- राष्ट्रपति संबंधित राज्य के राज्यपाल के परामर्श से ऐसा कर सकता है।
- लेकिन पिछड़े वर्गों की सूची में संशोधन (शामिल करने/हटाने) के लिए एक संसदीय कानून की आवश्यकता है।

**एनसीबीसी की संरचना क्या है?**

- आयोग में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्यों सहित पांच सदस्य होते हैं।
- राष्ट्रपति द्वारा उनके हस्ताक्षर और मुहर के तहत वारंट द्वारा नियुक्त किया गया।
- सेवा की शर्तें और कार्यालय का कार्यकाल राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित किया जाता है।

**एनसीबीसी की शक्तियां और कार्य क्या हैं?**

- जांच करना और निगरानी करना कि संविधान और अन्य कानूनों के तहत पिछड़े वर्गों को प्रदान किए गए सुरक्षा उपायों को कैसे लागू किया जा रहा है।
- ऐसे वर्गों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर सलाह देना और सिफारिशें करना।
- सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को प्रभावित करने वाले सभी प्रमुख नीतिगत मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को एनसीबीसी के साथ परामर्श करने की आवश्यकता होगी।
- एनसीबीसी को पिछड़े वर्गों के लिए सुरक्षा उपायों के कामकाज पर राष्ट्रपति को वार्षिक रिपोर्ट पेश करने की आवश्यकता होगी।

- इन रिपोर्टों को संसद और संबंधित राज्यों की राज्य विधानसभाओं में पेश किया जाएगा।
- किसी भी शिकायत की जांच या पूछताछ करते समय एनसीबीसी के पास सिविल कोर्ट की शक्तियां होंगी।

### एनसीबीसी का क्या महत्व है?

समाज के सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों को न्याय प्रदान करना।

- आयोग में पिछड़े वर्ग की महिला सदस्य को शामिल करना एक प्रगतिशील कदम है।
- यह राज्य सरकार के अधिकारों का अतिक्रमण नहीं करेगा क्योंकि उनका अपना पिछड़ा वर्ग आयोग होगा।
- संवैधानिक दर्जा देने से यह सुनिश्चित होगा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के बराबर ओबीसी सदस्यों की शिकायतों की सुनवाई के मामले में इसके पास अधिक शक्ति है।

### एनसीबीसी से जुड़ी चिंताएं क्या हैं?

एनसीबीसी की सिफारिश सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं है।

- केवल संवैधानिक स्थिति और अधिक अधिनियमों से जमीनी स्तर पर समस्या का समाधान नहीं होगा क्योंकि हाल के आंकड़े बताते हैं कि एससी/एसटी और ओबीसी श्रेणियों का प्रतिनिधित्व कम है।
- कई राज्यों ने अभी तक ओबीसी को 27% आरक्षण लागू नहीं किया है।
- मंडल मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के निर्देशानुसार विशेषज्ञ निकाय की विशेषताएं नए एनसीबीसी की संरचना में प्रदान नहीं की गई हैं।
- एक विशेषज्ञ निकाय के रूप में एनसीबीसी, बशर्ते कि अध्यक्ष एक पूर्व न्यायाधीश होना चाहिए और सदस्य सचिव भारत सरकार का एक पूर्व सचिव स्तर का अधिकारी होना चाहिए, एक सदस्य एक सामाजिक वैज्ञानिक होना चाहिए, और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के विशेष ज्ञान वाले दो व्यक्ति।
- अनुच्छेद 338बी (5) एनसीबीसी के परामर्श से सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (एसईडीबीसी) की सूची के आवधिक संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भी मौन है।

### संदर्भित करने के लिए संबंधित स्थिर विषय:

NCBC

### मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के कल्याण को सुनिश्चित करने में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की भूमिका पर चर्चा करें?

## रैनसमवेयर हमला

**विषय-** साइबर हमले; साइबर सुरक्षा

**स्रोत-** द हिंदू

**खबर क्या है?**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में ई-सेवाएं रैनसमवेयर हमले के संदेह के कारण चरमरा गई थीं।



**रैनसमवेयर क्या है ?**

- दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर का प्रकार, जिसका उपयोग साइबर अपराधियों द्वारा फाइलों को एन्क्रिप्ट करके संग्रहीत डेटा तक पहुंच को अवरुद्ध करके कंप्यूटर सिस्टम को संक्रमित करने के लिए किया जाता है।
- डिफिप्शन कुंजी के बदले मालिक से फिरौती की मांग की जाती है।

**रैनसमवेयर से सिस्टम कैसे संक्रमित हो सकता है?**

- ईमेल या अन्य माध्यमों से भेजे गए स्पष्ट रूप से सुरक्षित वेब लिंक पर क्लिक करके, जिसमें हैकिंग भी शामिल है, उपयोगकर्ता को धोखे से डाउनलोड करने के लिए आम तौर पर मैलवेयर को दूरस्थ रूप से इंजेक्ट किया जा सकता है।
- यह मौजूदा कमजोरियों का फायदा उठाकर पूरे नेटवर्क में फैल सकता है।
- इसके साथ अन्य भयावह उद्देश्यों के लिए संवेदनशील डेटा की चोरी भी हो सकती है।

**रैनसमवेयर हमले कितने गंभीर हैं?**

- तीन करोड़ से अधिक रोगियों से संबंधित डेटा होस्ट करने वाले एम्स के कम से कम पांच सर्वरों से समझौता किया गया था।
- यह वाणिज्यिक और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को लक्षित करता है।
- साइबर सुरक्षा फर्म टेलिक्स ने अपनी तीसरी तिमाही की वैश्विक रिपोर्ट में प्रचलन में 25 प्रमुख रैनसमवेयर की पहचान की है।
- ग्लोबल क्राइम ट्रेड रिपोर्ट 2022: इंटरपोल की अब तक की पहली रिपोर्ट के अनुसार, रैनसमवेयर 66% पर मनी लॉन्ड्रिंग के बाद दूसरा सबसे बड़ा रैंकिंग खतरा था।

**रैनसमवेयर हमले का क्या प्रभाव पड़ता है?**

- संवेदनशील या मालिकाना जानकारी का अस्थायी या स्थायी नुकसान,
- नियमित संचालन में व्यवधान,
- सिस्टम और फाइलों को पुनर्स्थापित करने के लिए वित्तीय नुकसान,
- किसी संगठन की प्रतिष्ठा को संभावित नुकसान।

**भारत में कौन सी एजेंसियां साइबर हमलों से निपटती हैं?**

1. **भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (CERT-In):**
  - 2004 में स्थापित, यह राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है जो साइबर हमले पर इनपुट एकत्र, विश्लेषण और प्रसारित करती है;
  - यह निवारक उपायों, पूर्वानुमानों और अलर्ट जारी करने के लिए दिशा-निर्देश, सलाह जारी करता है;
  - यह किसी भी महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा घटना को संभालने के लिए उपाय करता है।

- यह कंप्यूटर सिस्टम प्रबंधकों को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।
- 2. **राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक:**
  - राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के तहत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक, साइबर सुरक्षा मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय करता है।
- 3. **राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र:**
  - इसे राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना की सुरक्षा के लिए स्थापित किया गया है।
- 4. साइबर स्वच्छता केंद्र (बोटनेट सफाई और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र):
  - It has been launched for detection of malicious software programmes and to provide free tools to remove the same.
- 5. **राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र:**
  - यह मौजूदा और संभावित खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने पर काम करता है।

### CERT-In द्वारा अनुशंसित अभ्यास क्या हैं?

- एन्क्रिप्शन के साथ नियमित रूप से ऑफलाइन डेटा बैकअप बनाए रखें।
- सभी खातों में मजबूत और अद्वितीय पासवर्ड और तालाबंदी नीति होनी चाहिए।
- सभी सेवाओं के लिए बहु-कारक प्रमाणीकरण।
- दूरस्थ डेस्कटॉप कनेक्शन अक्षम करें।
- एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर को अपडेट किया जाना चाहिए।
- उपयोगकर्ताओं को बिन बुलाए ई-मेल में अटैचमेंट या यूआरएल लिंक नहीं खोलना चाहिए।

### संदर्भित करने के लिए संबंधित स्थिर विषय:

साइबर सुरक्षा; साइबर वार साइबर आतंकवाद

### मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:

रैनसमवेयर द्वारा उत्पन्न खतरों में वृद्धि के साथ, जोखिमों को कम करने के लिए केंद्रित प्रयास की आवश्यकता है। व्याख्या कीजिए। (15 अंक)

## उष्मीय तरंगें

**विषय-** पर्यावरण और पारिस्थितिकी

**स्रोत-** द हिंदू

**खबर क्या है?**

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 से, भारत में हर साल 160 मिलियन से 200 मिलियन लोग घातक गर्मी की लहरों के संपर्क में आ सकते हैं।



### ऊष्मा तरंगें क्या हैं?

- असामान्य रूप से उच्च तापमान की अवधि, सामान्य अधिकतम तापमान से अधिक जो गर्मी के मौसम में होता है।
- आमतौर पर मार्च और जून के बीच होता है, और कुछ दुर्लभ मामलों में जुलाई तक भी होता है।

### ऊष्मा तरंगों के लिए मानदंड क्या हैं?

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, जब तक किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों के लिए कम से कम 40°C और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए कम से कम 30°C तक नहीं पहुँच जाता, तब तक ऊष्मा तरंगों पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है।

### सामान्य न्यूनतम तापमान:

- **40 डिग्री सेल्सियस से कम या इसके बराबर:** सामान्य तापमान से 5°C से 6°C की वृद्धि को लू की स्थिति माना जाता है। इसके अलावा, सामान्य तापमान से 7 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक की वृद्धि को गंभीर गर्मी की लहर की स्थिति माना जाता है।
- **40 डिग्री सेल्सियस से अधिक:** सामान्य तापमान से 4 डिग्री सेल्सियस से 5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को लू की स्थिति माना जाता है। इसके अलावा, 6 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक की वृद्धि को गंभीर गर्मी की लहर की स्थिति माना जाता है।

**वास्तविक न्यूनतम तापमान:** जब सामान्य अधिकतम तापमान के बावजूद वास्तविक अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक रहता है, तो गर्म लहरों को घोषित किया जाना चाहिए।

### भारत में उष्मीय तरंगों के प्रभाव क्या हैं?

- **मानव स्वास्थ्य:** अत्यधिक गर्मी लोगों के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है, उन लोगों को नुकसान पहुँचाती है जो श्वसन और हृदय संबंधी स्थितियों से पीड़ित हैं और बच्चों में अस्थमा को बढ़ाते हैं।
- **कृषि:** तापमान की अधिकता के कारण फसल की उपज पर प्रभाव। गर्मी के बढ़ते तनाव के कारण पशुधन की भी सुभेद्यता है।
- **बिजली:** ऊष्मा तरंगों का बिजली के भार पर प्रभाव, बिजली की मांग में दैनिक शिखर होगा।
- **आर्थिक नुकसान:** ILO के एक अध्ययन में कहा गया है कि 34 डिग्री सेल्सियस पर, श्रमिक अपनी कार्य क्षमता का 50% तक खो सकते हैं। कार्य दिवसों का नुकसान, जो बदले में अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।
- **खाद्य सुरक्षा:** गर्मी की लहरों में वृद्धि से सूखे की संभावना बढ़ेगी, श्रम उत्पादकता में कमी आएगी और पानी की मांग बढ़ेगी। यह कृषि उत्पादन को प्रभावित करता है और खाद्य सुरक्षा को बाधित करता है।
- **पर्यावरणीय प्रभावों:** 2021 की लैंसेट रिपोर्ट के अनुसार, 134 देशों में जंगल की आग और सूखे की घटनाओं में वृद्धि देखी गई।

### उष्मीय तरंगों के प्रभाव को कम करने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीतियाँ क्या हैं?

- **उष्मीय तरंगों कार्य योजना:** भारत में शहरों/कस्बों में अत्यधिक गर्मी प्रतिक्रिया गतिविधियों के कार्यान्वयन, समन्वय और मूल्यांकन के लिए एक ढांचा प्रदान करना है जो अत्यधिक गर्मी के नकारात्मक प्रभाव को कम करता है।
- **प्राकृतिक आपदा के रूप में उष्मीय तरंगों की पहचान:**
  - राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 और आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2009, लू को प्राकृतिक आपदा नहीं मानते हैं।
  - यह राष्ट्रीय या राज्य आपदा राहत कोष के माध्यम से राहत के लिए पात्र 12 आपदाओं की सूची में अधिसूचित नहीं है।
  - प्राकृतिक आपदा के रूप में मान्यता राज्य और जिला प्रशासन को क्षेत्रीय स्तर पर उष्मीय तरंगों कार्य योजना तैयार करने में मदद करेगी।
- **निष्क्रिय शीतलन प्रौद्योगिकी (Passive cooling technology):** प्राकृतिक रूप से हवादार इमारतों के निर्माण के लिए निष्क्रिय शीतलन प्रौद्योगिकी को अपनाना, आवासीय और व्यावसायिक भवनों के लिए शहरी ताप द्वीप को संबोधित करने का एक महत्वपूर्ण विकल्प हो सकता है।
- **प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और अंतर-एजेंसी समन्वय स्थापित करना:** अनुमानित उच्च और अत्यधिक तापमान पर निवासियों को सूचित करना।
- **सार्वजनिक जागरूकता और सामुदायिक पहुंच:** प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया और सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री के माध्यम से अत्यधिक गर्मी से बचाव के लिए जन जागरूकता संदेशों का प्रसार करना।

## वैश्विक छंटनी और भारत पर इसका प्रभाव

**विषय-** अर्थव्यवस्था; विकास और रोजगार

**स्रोत-** द हिंदू

**खबर क्या है?**

एक वैश्विक प्लेसमेंट और कोचिंग फर्म के अनुसार, सितंबर और अक्टूबर में छंटनी 60,000 को पार कर गई, इसका भारत की निर्यात संभावनाओं पर प्रभाव पड़ेगा, विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में।



**छंटनी आम क्यों हो रही है?**

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने महामारी और चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध को देखते हुए 2022 और 2023 दोनों में वैश्विक जीडीपी वृद्धि के पूर्वानुमान को अंधकारमय बताया है।
- दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में महंगाई आसमान छू रही है।
- केंद्रीय बैंक बढ़ती महंगाई को रोकने के लिए दरें बढ़ा रहे हैं।
- दरें बढ़ने से उधार लेना और उपभोग करना अधिक महंगा हो जाता है जो अंततः आर्थिक विकास और नौकरियों को प्रभावित करता है।
- एक संभावित आर्थिक मंदी चल रही है जो बड़े लाल झंडे का कारण बनती है।

**भारतीय आईटी उद्योग के लिए आउटलुक क्या है?**

- भारतीय आईटी सेवा फर्म संगठित क्षेत्र में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से हैं।
- किसी भी वैश्विक आर्थिक रुझान का उनके विकास अनुमानों पर प्रभाव पड़ना तय है।
- यदि कंपनियां लागत में कटौती करना चाहती हैं और लाभ मार्जिन की रक्षा करना चाहती हैं तो कंपनियां कर्मचारियों की संख्या पर गौर करेंगी।
- नौकरी छोड़ने की दर या प्रति 100 कर्मचारियों पर खुद नौकरी छोड़ने की संख्या अभी भी काफी अधिक है।
- विप्री को छोड़कर सभी शीर्ष कंपनियों के राजस्व और शुद्ध लाभ में वृद्धि देखी गई।
- इन दोनों कारकों के अनुकूल होने के कारण, अभी तक प्रभाव के कोई संकेत दिखाई नहीं दे रहे हैं लेकिन अगले कुछ महीनों में इसकी उम्मीद की जा सकती है।
- इन घटनाक्रमों का भारत की निर्यात संभावनाओं पर प्रभाव पड़ना तय है, खासकर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में।

**स्टार्ट-अप के बारे में क्या?**

- भारतीय स्टार्टअप फ्रंट में छंटनी की खबरें मुख्य रूप से एडटेक या एजुकेशनल टेक्नोलॉजी फ्रंट में हैं।
- Inc42 द्वारा भारतीय स्टार्टअप लेओ फार्ड ट्रैकर ने दिखाया कि 2022 में 15,700 से अधिक कर्मचारियों को बंद कर दिया गया था।
- Inc42 के अनुसार, बायजू, चार्जबी, कार्स24, ओला, इनोवेसर, उड़ान, अनएकेडमी और वेदांतु ऐसे नाम हैं जो लेऑफ के लिए खबरों में रहे हैं।
- उद्धृत कारण यह है कि कम इंटरनेट उपयोगकर्ता शैक्षिक वेबसाइटों पर जा रहे हैं और फंडिंग शर्तों को कड़ा कर रहे हैं।

**पिछली वैश्विक मंदी के दौरान भारत में क्या हुआ था?**

- पहले की वैश्विक मंदी के दौरान, कंपनियां शायद ही कभी सार्वजनिक रूप से छंटनी की घोषणा करती थीं, वे सभी कर्मचारियों को कम करने की कोशिश करती थीं जो प्रदर्शन से नीचे थे।
- कंपनियों ने बैंच स्ट्रेथ में कटौती की अगर वे खराब स्थिति में थे और अगर

कोई व्यक्ति बैंच पर लगभग एक महीने का था तो उसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए नामांकन करने के लिए कहा गया।

- 2008 की मंदी के बाद, कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि को धीमा करना शुरू कर दिया।

**मंदी क्या होती है?**

- यह एक व्यापक आर्थिक शब्द है जो देश की आर्थिक गतिविधियों में मंदी या बड़े पैमाने पर संकुचन को संदर्भित करता है।
- इसे अर्थशास्त्र में जीडीपी में लगातार तीन तिमाहियों के संकुचन के रूप में परिभाषित किया गया है
- इस स्थिति में जीडीपी, मुनाफा, रोजगार जैसे आर्थिक मेट्रिक्स ध्वस्त हो जाते हैं।

**अवसाद क्या है?**

- यह नकारात्मक आर्थिक विकास की एक गहरी और लंबे समय तक चलने वाली अवधि है, जिसमें कम से कम 12 महीनों के लिए उत्पादन गिर रहा है और सकल घरेलू उत्पाद में 10% से अधिक की गिरावट आ रही है।
- इसे एक गंभीर और लंबी मंदी के रूप में संदर्भित किया जा सकता है।

**किसी देश में मंदी से निपटने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए?**

- कर कटौती:** यह उपभोक्ताओं को अधिक पैसा खर्च करने में सक्षम बनाएगी। परिणामी मांग निर्माण, बदले में रोजगार के अवसर और आर्थिक विकास पैदा करता है।
- सरकारी व्यय में वृद्धि:** सरकारी व्यय में वृद्धि नौकरियों को जोड़कर, आर्थिक उत्पादन में वृद्धि और उत्पादकता को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित कर सकती है।
- ब्याज दरों में कमी:** ब्याज दरों में कटौती करके, केंद्रीय बैंक प्रभावी रूप से अर्थव्यवस्था में अधिक पैसा डालता है, बचत करने वालों को खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह उधार लेना भी कम खर्चीला बनाता है।

**संदर्भित करने के लिए संबंधित स्थिर विषय:**

आर्थिक मंदी ; अवसाद

**मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न:**

मंदी से क्या तात्पर्य है? अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों की चर्चा कीजिए और इससे निपटने के उपायों पर प्रकाश डालिए।

## प्रारंभिक परीक्षा तथ्य

### जीडीपी बढ़त

**विषय-** अर्थव्यवस्था; जीडीपी

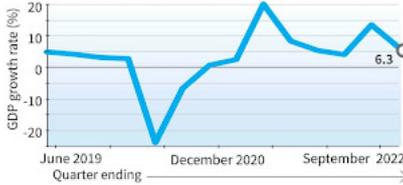
**स्रोत-** द हिंदू

**खबर क्या है?**

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 2022-23 (2022-23 की दूसरी तिमाही) की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुमान स्थिर (2011-12) और मौजूदा दोनों कीमतों पर जारी किया।

#### Growth decelerates

India's GDP grew by 6.3% during the July-September quarter, slowing from 13.5% in Q1 and 8.4% in the year-earlier quarter



**वास्तविक जीडीपी या लगातार कीमतों पर जीडीपी क्या है?**

- आधार वर्ष मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद की गणना में प्रयुक्त सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है।
- आधार वर्ष की कीमतें स्थिर कीमतें हैं।
- वर्तमान में जीडीपी की गणना के लिए आधार वर्ष 2011-12 है।
- आधार वर्ष की तुलना में मुद्रास्फीति के लिए समायोजित नाममात्र जीडीपी वास्तविक जीडीपी देता है।

**नॉमिनल जीडीपी या मौजूदा कीमतों पर जीडीपी क्या है?**

- वर्तमान मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद की गणना में प्रयुक्त सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है।
- वर्तमान कीमतों का मतलब जीडीपी गणना के वर्ष में कीमतें हैं।

**सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी):**

- जीडीपी एक देश में आर्थिक गतिविधि का एक उपाय है।
- सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एक विशिष्ट समय अवधि में देश की सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी तैयार माल और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य है। यह उपभोक्ताओं की ओर से आर्थिक उत्पादन देता है।

**सकल मूल्य वर्धित (जीवीए):**

- यह आउटपुट माइनस इंटरमीडिएट खपत का मूल्य है और यह एक व्यक्तिगत निर्माता, उद्योग या क्षेत्र द्वारा किए गए विकास में योगदान का एक उपाय है।
- सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) किसी उत्पाद में किया गया मूल्यवर्धन है जिसके परिणामस्वरूप अंतिम उत्पाद का उत्पादन होता है जबकि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) देश में उत्पादित उत्पादों का कुल मूल्य है।
- जीडीपी सभी उद्यमों, सरकार और परिवारों का जीवीए है
- सकल मूल्य वर्धित = सकल घरेलू उत्पाद + उत्पादों पर सब्सिडी - उत्पादों पर कर।

मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर)

**विषय-** स्वास्थ्य; महिलाएं

**स्रोत-** पीआईबी

**खबर क्या है?**

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को प्रभावी ढंग से कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की प्रशंसा की।



**मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) क्या है?**

- प्रति 100,000 जीवित जन्मों पर एक निश्चित समय अवधि के दौरान मातृ मृत्यु की संख्या के रूप में परिभाषित।

**एमएमआर की स्थिति:**

- शानदार 6 अंकों से और सुधार हुआ और अब यह 97/लाख जीवित जन्मों पर खड़ा है।
- भारत के रजिस्ट्रार जनरल (RGI) द्वारा जारी किया गया।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति लक्ष्य:** भारत ने 100/लाख से कम जीवित जन्मों के एमएमआर के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी) के लक्ष्य को पूरा कर लिया है।
- एसडीजी लक्ष्य:** यह 2030 तक 70/लाख जीवित जन्मों से कम एमएमआर के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सही रास्ते पर है।
- राज्य:** 8 राज्यों ने एमएमआर के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) लक्ष्य प्राप्त किया।

**संबंधित पहलें:**

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)
- सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन)
- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA)
- लक्ष्य और मिडवाइफरी पहल

## मंथन प्लेटफॉर्म

**विषय-** अर्थव्यवस्था;

**स्रोत-** पीआईबी

### खबर क्या है?

मंथन को समर्थन देने के लिए प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए मंथन प्लेटफॉर्म ने इन एंड ब्रैडस्ट्रीट बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड्स 2022 में एनएसईआईटी को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ तकनीकी पहल का पुरस्कार दिया।



Office of the Principal Scientific Adviser  
to the Government of India



## Manthan

Idea and Implementation through  
Science, Technologies, and Innovation

### मंथन प्लेटफॉर्म के बारे में:

- भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) के कार्यालय द्वारा संकल्पित और कार्यान्वित।
- उद्देश्य: उद्योग और वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा देना।
- भारत के 76वें स्वतंत्रता दिवस पर लॉन्च किया गया।
- संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) और हमारे राष्ट्रीय वैज्ञानिक मिशनों के साथ मिलकर समाधान बनाने के लिए सहयोग करने के लिए कई हितधारकों को सशक्त बनाता है।

### एनएसईआईटी के बारे में:

- वैश्विक प्रौद्योगिकी उद्यम मुख्य रूप से बैंकिंग, बीमा और पूंजी बाजार पारिस्थितिकी तंत्र में एक जटिल डिजिटल वातावरण में उत्कृष्टता प्रदान करने पर केंद्रित है।
- भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की 100% सहायक कंपनी।

## प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:

1. निम्नलिखित राज्यों और उनके त्योहारों पर विचार करें:

1. हॉर्नबिल: सिक्किम
2. संगई: मणिपुर

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

2. ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह गुजरात का राजकीय पक्षी है।
2. यह IUCN रेड लिस्ट में असुरक्षित के रूप में सूचीबद्ध है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

3. सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की गणना के लिए निम्नलिखित में से किस विधि का उपयोग किया जाता है:

1. आय विधि
2. व्यय विधि
3. प्रधान लागत विधि
4. उत्पाद विधि।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

- a. 1, 2 और 3
- b. 2, 3 और 4
- c. 1, 2 और 4
- d. 1, 3 और 4

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उष्णीय तरंगें तब माना जाता है जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी क्षेत्रों के लिए कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।
2. यह उन 12 आपदाओं में से एक है जो राष्ट्रीय या राज्य आपदा राहत कोष के माध्यम से राहत पाने के पात्र हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

5. संगई के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह नागालैंड का राजकीय पशु है।
2. यह IUCN रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

6. पैसे का भुगतान होने तक फ़ाइलों को एन्क्रिप्ट करके संग्रहीत डेटा तक पहुंच को अवरुद्ध करके कंप्यूटर सिस्टम को संक्रमित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मेलवेयर का प्रकार है -

- a. ट्रोजन
- b. वाइरस
- c. वर्महोल
- d. रैनसमवेयर

7. मातृ मृत्यु दर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे प्रति 10,000 जीवित जन्मों पर एक निश्चित समय अवधि के दौरान मातृ मृत्यु की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।
2. डेटा भारत के रजिस्ट्रार जनरल (RGI) द्वारा जारी किया जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

8. सकल मूल्य वर्धन (GVA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. बुनियादी कीमतों पर GVA में उत्पादन कर शामिल होंगे और उत्पादन सब्सिडी शामिल नहीं होगी।
2. कारक लागत पर GVA में कोई कर शामिल नहीं है और कोई सब्सिडी शामिल नहीं है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

9. निम्नलिखित रक्षा अभ्यास पर विचार करें:

1. युद्ध अभ्यास: भारत-यूके
2. अग्नि वारियर : भारत-अमेरिका
3. गरुड़ शक्ति: भारत-इंडोनेशिया
4. हरिमऊ शक्ति: भारत-मलेशिया

ऊपर दिए गए युग्मों में से कितने जोड़े सही हैं/हैं?

- a. केवल एक जोड़ी
- b. केवल दो जोड़े
- c. केवल तीन जोड़े
- d. चारों जोड़े

10. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वर्तमान में, सर्वोच्च न्यायालय में 70 न्यायाधीश होते हैं।
2. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

11. हॉर्नबिल महोत्सव के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उद्देश्य नागालैंड को विश्व स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में प्रदर्शित करना है।
2. भारत में हॉर्नबिल की 9 प्रजातियां हैं जिनमें से ग्रेट हॉर्नबिल सबसे प्रसिद्ध है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. iNCOVACC दुनिया का पहला इंटरनेशनल कोविड वैक्सीन है।
2. इसे भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है।
3. इसे प्रशासित करना आसान है क्योंकि इसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकता नहीं होती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1 और 2
- b. केवल 2 और 3
- c. केवल 1 और 3
- d. सभी 1, 2 और 3

13. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. यह संयुक्त राष्ट्र का एकमात्र अंग है जिसके पास निर्णय लेने की शक्ति है कि सदस्य राज्यों को लागू करने के लिए बाध्य हैं।
2. हर साल संयुक्त राष्ट्र महासभा दो साल के कार्यकाल के लिए कुल 10 सदस्यों में से पांच गैर-स्थायी सदस्यों का चुनाव करती है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

14. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. इसने राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (NAIS) और संशोधित राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना (MNAIS) का स्थान लिया।
2. यह योजना देश के सभी किसानों के लिए अनिवार्य है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

15. डिजीयात्रा पहल के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें;

1. यह चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी (FRT) के आधार पर, हवाई अड्डों पर यात्रियों के संपर्क रहित, निर्बाध प्रसंस्करण को प्राप्त करना है।
2. इसे नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

16. निम्न पर विचार करें:

1. रामलीला
2. गरबा
3. संकीर्तन

उपरोक्त में से कौन सा/से यूनेस्को सूची में भारत का अमूर्त सांस्कृतिक प्रतीक है/हैं?

- a. केवल 1 और 2
- b. केवल 2 और 3
- c. केवल 1 और 3
- d. 1, 2 और 3

17. राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल स्कैपेज नीति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित तरीके से अनुपयुक्त और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से बाहर करने के लिए एक ईको-सिस्टम बनाना है।
2. 15 साल से ज्यादा पुराने सरकारी कमर्शियल वाहन और 20 साल से ज्यादा पुराने निजी वाहन को स्कैप किया जाएगा।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

18. चुनाव आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मुख्य चुनाव आयुक्त राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपने पद पर बना रहता है।
2. चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2

- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

19. निम्नलिखित में से किस समूह में G-20 के चार देश सदस्य हैं?

- a. ब्राजील, इंडोनेशिया, चीन, तुर्की
- b. भारत, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, इटली
- c. यूएसए, मैक्सिको, कतर, रूस
- d. सऊदी अरब, कनाडा, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात

20. आर्थिक मंदी के समय निम्नलिखित में से कौन सा कदम उठाए जाने की सबसे अधिक संभावना है?

- a. ब्याज दर में वृद्धि के साथ कर दरों में कटौती
- b. सार्वजनिक परियोजना पर व्यय में वृद्धि
- c. ब्याज दर में कमी के साथ कर दरों में वृद्धि
- d. सार्वजनिक परियोजनाओं पर व्यय में कमी

21. ई-रुपये के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा डिजिटल रूप में जारी किया गया एक कानूनी निविदा है।
2. यह फिएट करेंसी के साथ एक-से-एक विनिमय है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

22. एरा मैटी डिब्बालू के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वे केरल में स्थित दुर्लभ लाल रेत के टीले हैं।
2. इसे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा भारत के राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक विरासत स्मारक स्थलों के रूप में अधिसूचित किया गया है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

23. निम्न पर विचार करें:

1. वासेनार समझौता
2. मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर)
3. ऑस्ट्रेलिया समूह
4. परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह

उपरोक्त में से कौन सा/से भारत का हिस्सा है/हैं?

- a. केवल 1, 2 और 4
- b. केवल 1, 3 और 4
- c. केवल 2, 3 और 4
- d. केवल 1, 2 और 3

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भौतिक मुद्रा को बनाए रखने की लागत में कटौती
2. भुगतान प्रणाली का वैश्वीकरण
3. साइबर हमलों का खतरा नहीं
4. डॉलर पर निर्भरता कम करना

उपरोक्त में से कौन-सा/से ई-रुपये के लाभ हैं/हैं?

- a. 1, 2 और 3
- b. 1 2 और 4
- c. 1, 3, और 4
- d. 2, 3 और 4

25. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. विकलांगता संविधान की सातवीं अनुसूची की संघ सूची में आती है।
2. भारत ने विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन (यूएनसीआरपीडी) की पुष्टि की है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1

- a. केवल 2
- b. दोनों 1 और 2
- c. न तो 1 और न ही 2

26. निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. एक मुद्रा बाजार अल्पकालिक निधियों के लिए एक बाजार है।
2. वाणिज्यिक पत्र एक प्रकार का असुरक्षित, अल्पकालिक ऋण साधन है जो निगमों द्वारा जारी किया जाता है जो पूंजी बाजार के अंतर्गत आता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

27. विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के संबंध में कथन पर विचार करें:

1. अधिनियम के तहत शामिल विकलांगता के प्रकार 21 हैं।
2. 6 से 18 वर्ष की आयु के बीच बेंचमार्क विकलांगता वाले प्रत्येक बच्चे को मुफ्त शिक्षा का अधिकार होगा।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

28. शहरी सहकारी बैंकों के संबंध में निम्नलिखित पर विचार करें:

1. प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों के नियमन और पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है।
2. केंद्रीय बैंक ने 3% से अधिक का शुद्ध एनपीए निर्धारित नहीं किया है।
3. भारतीय रिजर्व बैंक ने विनियामक उद्देश्यों के लिए यूसीबी के त्रि-स्तरीय ढांचे की स्थापना की।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1 और 2
- b. केवल 2
- c. केवल 2 और 3
- d. केवल 1

29. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) एक संवैधानिक निकाय है।
2. अनुच्छेद 342A जो राज्यपाल को किसी विशेष जाति को सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग (SEBC) के रूप में अधिसूचित करने की शक्ति देता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. दोनों 1 और 2
- d. न तो 1 और न ही 2

30. नाटोवेनेटर पॉलीडोटस, जो हाल ही में समाचारों में देखा गया है, है -

- a. एक प्रारंभिक मानव प्रजाति
- b. एक प्रकार के डायनासोर के जीवाश्म
- c. उत्तर-पूर्व भारत में एक गुफा प्रणाली
- d. भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में एक भूवैज्ञानिक काल